**सेमेस्टर – IV**

**MJC-7: मनोविज्ञान के तंत्र (Systems of Psychology)**

**पाठ्यक्रम के उद्देश्‍य:**
इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात छात्र में निम्नलिखित क्षमताएं विकसित होंगी:

* **CO1:** मनोविज्ञान के विकासात्मक इतिहास को समझना।
* **CO2:** संरचनावादी और व्यवहारवादी स्कूलों को समझना।
* **CO3:** फ्रायड और नव-फ्रायडवादियों की भूमिका को समझना।
* **CO4:** मनोविज्ञान के तृतीय बल से परिचित होना।

| **इकाई** | **अध्ययन की जाने वाली विषयवस्तु** | **व्याख्यानों की संख्या** |
| --- | --- | --- |
| 1 | **संरचनावाद और क्रियावाद**1.1 संरचनावाद: वुंट और टिचनर का योगदान1.2 क्रियावाद: शिकागो और कोलंबिया स्कूल का योगदान | 4 |
| 2 | **व्यवहारवाद**2.1 वॉटसन का योगदान2.2 पावलॉव, स्किनर और बंडुरा के सिद्धांत | 4 |
| 3 | **मनोविश्लेषणात्मक और गेस्टाल्ट मनोविज्ञान**3.1 फ्रायड का योगदान3.2 नव-फ्रायडवादी: कार्ल गुस्ताव जंग, अल्फ्रेड एड्लर3.3 गेस्टाल्ट मनोविज्ञान में वर्थाइमर का योगदान | 10 |
| 4 | **मानवतावादी मनोविज्ञान**4.1 मानवतावादी मनोविज्ञान की प्रमुख विशेषताएं4.2 रोजर्स और मैसलो का योगदान | 4 |
| 5 | **अस्तित्ववादी मनोविज्ञान**5.1 अस्तित्ववादी मनोविज्ञान के मूल सिद्धांत5.2 रॉलो मे और विक्टर फ्रेंकल का योगदान | 4 |
| 6 | **भारतीय मनोविज्ञान**5.1 भारतीय मनोविज्ञान का परिचय5.2 प्रमुख भारतीय मनोवैज्ञानिक | 4 |

**कुल व्याख्यान:** 30
**पूर्णांक:** 100 (ESE: 70, CIA: 30)